रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 10—मई 16, 2014 (वैसाख 20, 1936)

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10—MAY 16, 2014 (VAISAKHA 20, 1936)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	813
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	367
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	577
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	495
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	2771
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	435
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	813
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	367
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	577
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	495
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2771
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	435
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 2014

संख्या 50–प्रेज/2014–राष्ट्रपति, चण्डीगढ के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

श्री रणधीर सिंह
फायरमैन

2. दिनांक 23–01–2013 को 08.01 बजे अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा केन्द्र के कंट्रोल रूम, सैक्टर 17, चण्डीगढ, को सूचना मिली कि मकान स0 2324 सैक्टर 37/सी चण्डीगढ में आग लग गई है। सूचना मिलते ही तुरन्त अग्निशमन दल फायर टेंडर के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल पहुंचने पर देखा कि आग एल पी जी सिलेंडर से लगी है। अग्निशमन दल ने बढती हुई आग को बुझाने का कार्य शुरू किया। श्री रणधीर सिंह, फायरमैन सबसे आगे रहकर आग पर लगातार पानी डाल रहे थे। वह जानते थे कि गैस सिलेंडर कभी भी फट सकता है। अपनी जान की परवाह ना करते हुए उन्होने बचाव कार्य जारी रखा। आग बुझाने के दौरान गैस सिलेंडर फट गया व श्री रणधीर सिंह, फायरमैन बुरी तरह से घायल हो गए। उन्हें वहॉ से बाहर निकाल कर अस्पताल में भरती कराया गया। इस साहसिक कार्य से बडी दुर्धटना होने से बच गई।

3. फायरमैन श्री रणधीर सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुषलता एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य परायणता का परिचय दिया।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमय विषेष भत्ता दिनांक 23.01.2013 से इसके साथ देय होगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

संख्या 51–प्रेज/2014–राष्ट्रपति, मिजोरम अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1. श्री सी ललओमपुइया
फायरमैन

2. श्री सी ललगहाहमोइया
फायरमैन

3. श्री बी वनललरुअत्तलुाडां
फायरमैन

2. दिनांक 11.05.2013 को 03.30 बजे अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा केन्द्र में सूचना मिली कि लेपुटलांग रामहलुन वनगलाई एरिया, आइजोल, मिजोरम में लोक निर्माण विभाग की पॉच मंजिला इमारत गिर गई है। सूचना मिलते ही तुरन्त अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा केन्द के फायरमैन श्री सी ललओमपुइया, श्री सी ललगहाहमोइया, श्री बी वनललरुअत्तलुाडां फॉयर टेंडर एवं अग्नि बचाव यन्त्रों के साथ घटनास्थल पर पहुॅचे। घटनास्थल पर पहुॅचने पर यह पाया कि एक पॉच मंजिला लोक निर्माण विभाग कि कंक्रीट की इमारत जो कि पहाडी के शिखर पर स्थित थी क्षतिग्रस्त होकर लुढकते हुए 500 फीट नीचे घने अवासीय क्षेत्र में आकर गिर गई है। इमारत के गिरने से सात कंक्रीट की इमारते, आठ कच्ची इमारते व कई गाडियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो कर कंक्रीट और मिटटी के मलवे के नीचे दबी हैं। जब बचाव दल के सदस्य क्षतिग्रस्त स्थल का निरीक्षण कर रहे थे तब भी इमारतों का मलबा एवं चट्टटानो का गिरना जारी था। क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से एक व्यक्ति के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। बचाव दल के तीनों सदस्यों ने मलवे के गिरने की परवाह किए बिना, घुटनों के बल, मलबे को हटातें हुए, एक छोटे एवं अंधेरे रास्ते से आगे बढना जारी रखा। लगभग एक घंटे के पश्चात बचाव दल वहां पहुॅचा जहां एक औरत मदद के लिए चिल्ला रही थी। बचाव दल के तीनों सदस्यों ने उस औरत को लगभग 05.00 बजें जिंदा बाहर निकाल लिया, जिसका नाम श्रीमति नमबारलियानि था और वह अस्थमा की मरीज भी थी। बचाव दल के तीनों सदस्यों ने बचाव कार्य जारी रखते हुए आठ अन्य लोगों को मलबे से जिंदा और 17 मृतको को कंक्रीट की धवस्त इमारत से बाहर निकाला।

3. फायरमैन श्री सी ललओमपुइया, श्री सी ललगहाहमोइया, श्री बी वनललरुअत्तलुाडां ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुषलता एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य परायणता का परिचय दिया।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 11.05.2013 से इसके साथ देय होगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

संख्या 52–प्रेज/2014–राष्ट्रपति, तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

श्री जाम मेशा साहिब निजाम बटशा
फायरमैन

2. दिनांक 09.09.13 को 10.40 बजे गोबिचेटिपालयम अग्निशमन एवं बचाव केन्द्र में सूचना मिली कि कुल्लमपालयम गॉव, वेलालपालयम भाग, गोवीचेटीपल्लयम, इरोड, तमिलनाडु में एक व्यक्ति करण, उम्र 21 वर्ष, 100 फुट गहरे कुऍ में सफाई करते समय गिर गया है। सूचना मिलते ही एक बचाव दल स्टेशन आफिसर की अगवाई में फॉयर एवं रेसक्यू टेंडर के साथ घटनास्थल पहुॅचे। घटनास्थल पहुॅचने पर पाया कि 21 वर्ष का एक छात्र ध्वस्त कुऍ में फसा हुआ है। फायरमैन जाम मेशा साहिब निजाम बटशा, उम्र 57 वर्ष, अनुभव 32 साल ने अपनी जान व कुऍ में जहरीली गैस की सम्भावना की परवाह ना करते हुए, छात्र को बचाने के लिए, कुऍ में उतर गए व स्ट्रेचर गांठ कि मदद से पीडित को अन्य बचाव दल के सदस्यों की मदद से कुऍ से बाहर निकाला।

3. फायरमैन श्री जाम मेशा साहिब निजाम बटशा ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य परायणता का परिचय दिया।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमय विषेष भत्ता दिनांक 09.09.13 से इसके साथ देय होगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

संख्या 53–प्रेज/2014– राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1. श्री फजलूर रहमान शरीफ
रीजनल फायर आफिसर
कर्नाटक

2. श्री शिबानीगौडा एच0 एम0
जिला अग्निशमन अधिकारी
कर्नाटक

3. श्री भाबग्राही घडेई
डिप्टी फायर आफिसर
ओडीशा

4. श्री मनोरंजन भोल
डिप्टी फायर आफिसर
ओडीशा

5. श्री सोमनाथ बेहेरा
फिटर स्टेशन आफिसर
ओडीशा

6. श्री दुखीश्याम दास
हवलदार मेजर
ओडीशा

7. श्री अक्षय कुमार प्रधान
असिस्टेंट स्टेशन आफिसर
ओडीशा

8. श्री शिशिर कुमार भटाचार्जी
फायरमैन
ओडीशा

9. श्री बिनोद कुमार यादव
असिस्टेंट सब इंस्पैंक्टर (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

10. श्री सेवा राम
असिस्टेंट सब इंस्पैंक्टर (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

11. श्री देवेन्द्र सिंह चौहान
उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी
परमाणु ऊर्जा विभाग

2. यह पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किया जाता हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

संख्या 54–प्रेज/2014–राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1. श्री शुक्ला राम बोरो
स्टेशन आफिसर
असम

2. श्री लिखेन्द्र बोरा
सब आफिसर
असम

3. श्री दिनेश कालिटा
लीडिंग फायरमैन
असम

4. श्री के0 एल0 पाठक
स्टेशन फायर आफिसर
दादरा एवं नागर हवेली

5. श्री वी0 बी0 रोहित
सब आफिसर
दादरा एवं नागर हवेली

6. श्री जी0 डी0 शेख
लीडिंग फायरमैन
दमन एवं दीव

7. श्री अषोक जी0 मेनन
निदेशक
गोवा

8. श्री हरीचन्द्रा डी0 नाईक
स्टेशन फायर आफिसर
गोवा

9. श्री काशीनाथ दुलवा सैल
सब आफिसर
गोवा

10. श्री बिसो रगु गावस
ड्राईवर ऑपरेटर
गोवा

11. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा
स्टेशन फायर आफिसर
हिमाचल प्रदेष

12. श्री शिवशंकर टी0 एन0
रीजनल फायर आफिसर
कर्नाटक

13. श्री अमानुल्ला खान
जिला अग्निशमन अधिकारी
कर्नाटक

14. श्री कृष्णप्पा बी0
फायर स्टेशन आफिसर
कर्नाटक

15. श्री अंतप्पा
असिस्टेंट फायर स्टेशन आफिसर
कर्नाटक

16. श्री बेंकटेश
असिस्टेंट फायर स्टेशन आफिसर
कर्नाटक

17. श्री गजेन्द्र वी0
लीडिंग फायरमैन
कर्नाटक

18. श्री मल्लेश
फायरमैन
कर्नाटक

19. श्री रविन्द्रन पी0 वी0
असिस्टेंट स्टेशन आफिसर
केरल

20. श्री विजु वी0 के0
लीडिंग फायरमैन
केरल

21. श्री टी0 विनोद कुमार
लीडिंग फायरमैन
केरल

22. श्री बाबू सिंह खारईबम
सब आफिसर
मणिपुर

23. श्री खुमन पिटर तांखुल
लीडिंग फायरमैन
मणिपुर

24. श्री गणेश मुक्तन
सब आफिसर
मेघालय

25. श्री पिखुवी सेमा
डिप्टी एस0पी0 (एफ0 एंड ई0 एस0)
नागालैंड

26. श्री डव्लु0 एस0 जमीर
इन्सपैक्टर
नागालैंड

27. श्री ब्रहमानन्द मलिक
स्टेशन आफिसर
ओडीशा

28. श्री नृसिंह चरण महान्ती
लिडिंग फायरमैन
ओडीशा

29. श्री श्याम सुन्दर नायक
लिडिंग फायरमैन
ओडीशा

30. श्री कबीन्द्र कुमार जेना
ड्राईवर हवलदार
ओडीशा

31. श्री अजय कुमार स्वाइँ
फायरमैन
ओडीशा

32. श्री धृव चरण प्रधान
फायरमैन
ओडीशा

33. श्री बीरखा बहादुर लिम्बो
सब फायर आफिसर
सिक्किम

34. श्री मुनीयसामी शिवलिंगम
स्टेशन आफिसर
तमिलनाडु

35. श्री रामासामी वलयापति
स्टेशन आफिसर
तमिलनाडु

36. श्री समबंधम राजेन्द्रन
लीडिंग फायरमैन
तमिलनाडु

37. श्री कालियप्पा मूर्ती
ड्राईवर
तमिलनाडु

38. श्री कालीयप्पन चिल्लया
फायरमैन ड्राईवर
तमिलनाडु

39. श्री जोसफ मारीयादास
फायरमैन ड्राईवर
तमिलनाडु

40. श्री धन सिंह
फायर सर्विस सेकंड आफिसर
उत्तराखण्ड

41. श्री प्रताप सिहं
लीडिंग फायरमैन
उत्तराखण्ड

42. श्री राजनाथ सिंह
सीनियर कमांडेंट (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

43. श्री पी0 विनोद
असिसटेंट कमांडेंट (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

44. श्री उपेंन्द्र कुमार
इन्स्पैक्टर (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

45. श्री राम निवास
हेड कांस्टेबल (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

46. श्री हिमांशु शेखर साहु
प्रबंधक (फायर सर्विस)
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

47. श्री मनमोहन देब बर्मा
सीनियर फायर आफिसर
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

48. श्री बिरेन्द्र शिवनारायण चौधरी
चीफ फायरमैन
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

49. श्री रमण भाई लावजी भाई मकवाना
चीफ फायरमैन
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

50. श्री अरूण कुमार दास
मुख्य प्रबंधक (फायर एवं सुरक्षा)
बी0 पी0 सी0 एल0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

2. यह पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किया जाता हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं0 55—प्रेज/2014—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक और नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1. श्री राम पाल सौलंकी
डिप्टी चीफ वार्डन (ना0सु0)
दिल्ली

2. श्री भारत लाल लोधी
सूबेदार (एम0)
मध्य प्रदेश

3. श्री हुकूम चन्द रजक
हवलदार स्टोरमैन (गृ0र0)
मध्य प्रदेश

2. यह पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के गृह रक्षक और नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं0 56—प्रेज/2014—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक और नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

1. श्री बहूर सिहं साहू
प्लाटून कमान्डर (गृ0र0)
छत्तीसगढ़

2. श्री बंशधारी कामड़े
कम्पनी हवलदार मेजर (गृ0र0)
छत्तीसगढ़

3. श्री रघुनंदन सिहं राजपूत
हवलदार (गृ0र0)
छत्तीसगढ़

4. श्री दुर्योधन राना
कम्पनी हवलदार मेजर (गृ0र0)
छत्तीसगढ़

5. श्री श्रवण तानिया वर्था
गृह रक्षक
दादरा एवं नगर हवेली

6. श्रीमती नयनाबेन छोटूभाई पटेल
गृह रक्षक
दादरा एवं नगर हवेली

7. श्री महेश बाबू पटेल
गृह रक्षक
दमन एवं द्वीप

8. श्री सोहन पाल सिंह तोमर
डिवीजनल वार्डन (ना0सु0)
दिल्ली

9. श्री अशोक कुमार तवॅर
प्रशिक्षक नागरिक सुरक्षा
दिल्ली

10. श्री परमेश्वर बंगारी
कनिष्ठ प्रशिक्षक (हव0)
दिल्ली

11. श्री विजय कुमार श्योराण
सीनियर स्टॉफ आफिसर (गृ0र0)
हरियाणा

12. श्री राजपाल सांगवान
कमांडेन्ट (सी0टी0आई0)
गोवा

13. श्री हरी राम
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
हरियाणा

14. श्री देव राज
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
हिमाचल प्रदेश

15. श्री करनैल सिंह
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
हिमाचल प्रदेश

16. श्री ईश्वर चन्द गौतम
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
हिमाचल प्रदेश

17. श्री लोकेन्द्र सिंह धौटा
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
हिमाचल प्रदेश

18. श्री राचाप्पा बासाप्पा हदीमनी
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
कर्नाटक

19. श्री एम0 कृष्णाप्पा
सहायक प्रशिक्षक (गृ0र0)
कर्नाटक

20. श्री नागप्पा रामाचन्दरा
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
कर्नाटक

21. श्रीमति आर0 डी0 विनोदाम्मा
सीक्यूएमएस (गृ0र0)
कर्नाटक

22. श्री अमरीक सिंह सहगल
डिप्टी चीफ वार्डन (ना0सु0)
कर्नाटक

23. श्री भोजपाल वर्मा
डिवीजनल कमांडेन्ट (गृ0र0)
मध्य प्रदेश

24. श्री धरमराज वर्मा
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
मध्य प्रदेश

25. श्री भूपेन्द्र सिंह ठाकुर
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
मध्य प्रदेश

26. श्री राधेलाल चौधरी
हवलदार (गृ0र0)
मध्य प्रदेश

27. श्री रनदीप जग्गी
डिवीजनल वार्डन (ना0सु0)
मध्य प्रदेश

28. श्री चार्लस्टन रैनी
कमांडेन्ट (सी0टी0आई0)
मेघालय

29. श्री अविनाष दालबोत संगमा
हवलदार (गृ0र0)
मेघालय

30. श्री रंजन कुमार मल्लीक
स्वयं सेवक
ओड़िसा

31. श्री जन्मेजय राउतराम
स्वयं सेवक
ओड़िसा

32. श्री बरून कुमार मित्रा
कम्पनी कमांडर (गृ0र0)
ओड़िसा

33. श्री बिध्याधरा जैना
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
ओड़िसा

34. श्री सीसर कुमार साहु
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
ओड़िसा

35. श्री दावा संगे शेरपा
(गृ0र0)
सिक्किम

36. श्री एस0 सन्थील कुमार
एरिया कमांडर (गृ0र0)
तमिलनाडू

37. श्री वी0 ईश्वरन
प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
तमिलनाडू

38. श्री एस0 रामाकृष्णनन
अस्सिटेंट प्लाटून कमांडर (गृ0र0)
तमिलनाडू

39. श्री एस0 कमलराजन
ग्रह रक्षक
तमिलनाडू

40. श्री निमाई चन्द मित्रा
ग्रह रक्षक
त्रिपुरा

41. श्रीमती सवित्रा पाल
ग्रह रक्षक
त्रिपुरा

42. श्री नरोत्तम दास अग्रवाल
चीफ वार्डन (ना0सु0)
उत्तर प्रदेश

43. श्री भूपेन्द्र पाल खत्री
डिवीजनल वार्डन (ना0सु0)
उत्तर प्रदेश

44. श्री सुनील कुमार गर्ग
घटना नियन्त्रण अधिकारी (ना0सु0)
उत्तर प्रदेश

45. श्री गंगा शरण
घटना नियन्त्रण अधिकारी (ना0सु0)
उत्तर प्रदेश

46. श्री विष्णु कुमार तिवारी
डिप्टी डिवीजनल वार्डन (ना0सु0)
उत्तर प्रदेश

47. श्री च0 यू0 बी0 ई0 प्रसाद
डिप्टी डिवीजनल वार्डन (ना0सु0)
रेलवे

48. श्री श्रीनिवास श्रीधर बैद्य
सहायक नागरिक सुरक्षा निरीक्षक
रेलवे

49. श्री सुरेन्द्रकुमार गणेशप्रसाद खन्ना
नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षक
रेलवे

50. श्री सुनिल बाबाराव सावरकर
आशुलिपिक ग्रेड.1
एन0सी0डी0सी0

2. यह पुरस्कार सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक और नागरिक सुरक्षा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3(ii) के तहत प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-57 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर कमांडेंट प्रभदीप सिंह मल्होत्रा, तटरक्षक पदक (0305-क्यू) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) का बार सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

कमांडेंट प्रभदीप सिंह मल्होत्रा ,तटरक्षक पदक (0305-क्यू) ने 11 जनवरी 1992 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 24 सितंबर, 2013 को, भारतीय तटरक्षक वायु स्टेशन दमन को सूचना मिली कि नरौली, सिल्वासा गांव में गंगा नदी के बीच बाढ़ में एक चट्टान पर दिमागी रूप से अस्वस्थ असहाय महिला है। यह पता लगाया गया था कि मधुबन बांध से आसन्न पानी के छोड़े जाने को देखते हुए इस स्थिति के और अधिक खराब होने की संभावना है क्योंकि पानी खतरे के निशान तक पहुंच चुका था। दमन और आस-पास के क्षेत्र का मौसम बहुत खराब था।

3. कमांडेंट प्रभदीप सिंह मल्होत्रा ने तुरंत ही अपने दल के साथ हेलिकॉप्टर सीजी-821 की ओर प्रस्थान किया तथा संकटग्रस्त महिला के बचाव अभियान हेतु 1045 बजे उड़ान शुरू की। रास्ते में मौसम और खराब हो गया था तथा दृश्यता लगभग शून्य हो गयी थी। अफसर के दृढ़ प्रयासों के बावजूद अत्यधिक खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर सीजी-821 आधार रेखा तक नहीं पहुंच सका तथा उसे पुनः ईंधन भराव के लिए अपने बेस पर लौटना पड़ा। उसी दौरान, स्थानीय प्रशासन से सूचना मिली

कि पानी के भारी मात्रा में अंदर घुसने से मधुबन बांध से पानी छोड़ने को, ज्यादा देर तक टाला नहीं जा सकेगा और हमारे पास उस संकटग्रस्त महिला का बचाव करने के लिए केवल लगभग 45 मिनट का समय है।

4. खराब मौसम के बावजूद, अफसर ने अपने दल के साथ 1220 बजे हेलिकॉप्टर से पुनः उड़ान शुरू की। नीचे घने बादलों और अन्य बाधाओं से बचने के लिए अफसर ने अपने विमान को दमन गंगा नदी के ऊपर से निचाई पर उड़ाने का निर्णय लिया। अफसर ने अपने सह पायलट सहायक कमांडेंट पवनदीप सिंह को नदी के क्षेत्र में हाई टेंशन तारों पर पैनी नज़र रखने के लिए कहा। अफसर ने खराब दृश्यता में अपने मार्ग का संचालन करने के दौरान ईंजन के सभी मापदंडों और उड़ान निदेशों को भी अच्छी तरह से ध्यान में रखा। इस बार वे खराब मौसम को भेदने में सफल रहे और समय से दत्त रेखा पर पहुंचने में कामयाब रहे। अफसर ने समय गंवाये बिना झकझोरती हवाओं के बावजूद सैलाबग्रस्त नदी के बीच में चट्टान के ऊपर स्थिर रूप से अपना विमान मंडराने में सफलता हासिल की तथा संकटग्रस्त महिला की सहायता करने के लिए मुक्त गोताखोर को नीचे उतारा। अंततः असहाय महिला को 1240 बजे ऊपर खींच लिया गया। मुक्त गोताखोर को ऊपर खींचने के उपरांत, नजदीक में ही एक अवतरण स्थल को ढूंढ लिया गया तथा उसे वहां पर सफलतापूर्वक उतार दिया गया। तत्पश्चात, महिला को वहां पर प्रतीक्षा कर रहे चिकित्सा दल के हवाले कर दिया गया। खोज एवं बचाव अभियान के पूर्ण होने पर अफसर ने हेलिकॉप्टर द्वारा पुनः दत्त रेखा से उड़ान भरी और 1300 बजे सुरक्षित रूप से अपने बेस स्थान को वापसी की।

5. कमांडेंट प्रभदीप सिंह मल्होत्रा ,तटरक्षक पदक (0305-क्यू) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक(शौर्य) का बार प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-58 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर कमांडेंट विकास नारायण सिंह (0273-एस) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

कमांडेंट विकास नारायण सिंह (0273-एस) ने 06 जनवरी 1991 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 30 जुलाई 2013 को, पुलिस नियंत्रण कक्ष से एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें एक डोंगी "विश्व फिशरी" के उलट जाने तथा उसके आठ मछुवारों के समुद्र में लापता होने संबंधी जानकारी दी गयी। लापता मछुवारों का पता लगाने के लिए पुलिस ने हेलिकॉप्टर के द्वारा खोज एवं बचाव प्रयास करने का अनुरोध किया गया क्योंकि समुद्र की अत्यधिक खराब स्थिति होने के कारण नौकाओं से मछुवारों की खोज करना संभव नहीं था। गोवा में मानसून का दूसरा महीना होने से भारी बरसात हो रही थी तथा उस दिन सुबह से मौसम बहुत खराब था। संकटग्रस्त लोगों की खोज एवं बचाव के लिए स्क्वाड्रन को तुरंत हेलिकॉप्टर रवाना करने का कार्यभार सौंपा गया।

3. अत्यंत खराब मौसम और मूसलाधार वर्षा के कारण अत्यधिक निम्न दृश्यता के संबंध में स्थिति का गहनता से मूल्यांकन करते हुए, कमांडेंट विकास नारायण सिंह ने, 800 स्क्वाड्रन(सीजी) के स्क्वाड्रन कमांडर और वरिष्ठतम पायलट होते हुए, इस अभियान में स्वयं को शामिल करने का निर्णय लिया तथा तदनुसार योजना बनायी। खोज एवं बचाव संदेश प्राप्त होने के कुछ मिनटों में ही, 1120 बजे हेलिकॉप्टर सीजी 810 वायुवाहित हो गया और योजना के अनुसार मोबोर समुद्री तट, गोवा की ओर रवाना हो गया। अंतर्विरामी भीष्म बरसात के कारण अफसर के लिए तीव्र गति में विमान चालन करना संभव नहीं था तथा हेलिकॉप्टर को तटीय रेखा के साथ-साथ उड़ाना पड़ा। मोबोर पहुंचने पर, हेलिकॉप्टर खोज प्रतिरूप को स्थापित करने के लिए अभिहित स्थान की ओर बढा। खराब मौसम से 'निम्न एवं धीमा आवीक्षण' हो गया था, जिसके कारण तिरती हुई किसी वस्तु या मलबे को अनदेखा नहीं किया जा सकता था। 10 मिनट की उड़ान के बाद, मछुवाही जालों का एक ढेर बहता हुआ दिखाई दिया।

4. हेलिकॉप्टर के दत्त रेखा पर पहुंचने पर, प्रारंभ में केवल बहते जाल और बोया दिखायी दिए थे, अफसर ने अनुमान लगाया कि मछुवारों को नजदीक में कहीं होना चाहिए। चूंकि वे मछुवाही जालों के इर्द-गिर्द कहीं नहीं थे, तथा निम्न दृष्यता और मूसलाधार वर्षा के कारण यह आवश्यक हो गया था कि व्यक्ति विशेषों की खोज के लिए हेलिकॉप्टर को और नीचे ले जाया जाए। अफसर ने कर्तव्य की सीमा से परे जाकर जोखिम लेने तथा विमान को और नीचे उड़ाने का निर्णय लिया, अंततः अफसर नीले जालों की पतली रस्सी से सटे मछुवारों को ढूँढ सका।

5. ऐसे मौसमी परिस्थिति में हेलिकॉप्टर को एक ही स्थान पर मंडराते हुए स्थिर रखना अत्यंत कठिन कार्य था, क्योंकि शक्तिशाली झंझावत हवाएं लगातार हेलिकॉप्टर को उसके होवर-स्थल से धकेल रही थी, जबकि क्षुब्ध समुद्र की परिस्थितियां, पायलट को पानी से ऊपर एक सुरक्षित ऊँचाई पर रहने की अनुमति नहीं दे रही थी। साथ ही, बचाव स्टॉप के उपयोग संबंधी मछुवारों को जानकारी न होने के कारण स्थिति जटिल हो गयी थी।

6. अफसर ने कर्मियों को तीव्र-निम्न होवर बचाव कवायद का प्रयास करने के लिए निर्देश दिया, इस प्रक्रिया में हेलिकॉप्टर को अल्प समय के लिए नीचे ले जाया जाएगा ताकि, व्यक्ति विशेष को सुरक्षित रूप से ऊपर खींचा जा सके और साथ ही वायुयान की सुरक्षा हेतु ऊँची लहरों से विमान को

बचाये रखने को भी ध्यान में रखा। श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण मिशन के परिणामस्वरूप तीन बहुमूल्य जीवन का सुरक्षित रूप से बचाव किया गया। समुद्र तट पर तीन उत्तरजीवियों को उतारने के बाद अफसर ने वापसी की तथा वाटर स्कूटरों पर तैनात लाइफ गार्डों को अन्य मछुवारों के संबंध में दिशानिर्देशित किया। कुल मिलाकर, अभियान के दौरान आठ बहुमूल्य जीवन का बचाव किया गया।

7. कमांडेंट विकास नारायण सिंह (0273-एस) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

8. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-59 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर महावीर, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01029-आर को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

महावीर, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01029-आर ने 31 दिसम्बर 1986 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 06 जुलाई 2013 को, भारतीय तटरक्षक पोत समुद्र प्रहरी को एमओएल कम्फर्ट, जोकि पूर्व में दो भागों में विभक्त हो गया था तथा पोत का पिछला भाग अरब सागर में डूब गया था, के परित्यक्त पोत (डेरिलिक्ट) पर अग्नि शमन का कार्यभार सौंपा गया। पोत के शेष भाग को जब भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा द्वारा कर्षणाधीन किया जा रहा था तो उस समय कंटेनरों में आग लग गयी थी। तदनुसार पोत 08 जुलाई, 2013 से परित्यक्त पोत (डेरिलिक्ट) को अग्नि शमन सहायता देने में संलिप्त था। भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा, जोकि परित्यक्त पोत का कर्षण कर रहा था, के अलावा दो अन्य टग अर्थात कैपरिकोर्न और जाखीर एम्पेरर आवश्यक सहायता देने के लिए नजदीक में मौजूद थे।

3. 09 जुलाई 2013 को लगभग 1130 बजे पोत द्वारा अग्नि शमन अभियान क्रियान्वित करने के दौरान, भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा के मास्टर ने, टग के मुख्य इंजीनियर, मिस्टर एम डी नाइक, आयु 45 वर्ष, एक भारतीय नागरिक, जिसकी दाये हाथ की मध्यम अंगुलि में एसी संयंत्र पर कार्य करने के दौरान चोट लगी थी, की चिकित्सा निकासी किए जाने की आवश्यकता के संबंध में

सूचित किया। तदनुसार, चिकित्सा निकासी की योजना बनायी गयी। क्षेत्र में समुद्र स्थिति 5 पर थी, हवा की गति 35-40 मील थी और समुद्र में 5 मीटर का उठाव था। विद्यमान खराब मौसम के कारण पोत 30 डिग्री तक डोल रहा था। भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा से अनुरोध किया गया कि रोगी को टग कैपरिकोर्न अथवा जाखीर, जो आगे रोगी को भारतीय तटरक्षक पोत पर स्थानांतरित कर सकें, पर रोगी को स्थानांतरित करने की संभावना को तलाशे। रोगी को स्थानांतरित करने में दोनों टकों ने अपनी असमर्थता व्यक्त की। तत्पश्चात यह निर्णय लिया गया कि पोत की जेमिनी का प्रयोग करते हुए चिकित्सा निकासी की जाए। महावीर ने आगे आकर जेमिनी के कर्मी के रूप में रहने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की। तदोपरांत, अनुभवी कर्मियों के साथ जेमिनी को उतारा गया। जेमिनी को अत्यधिक सुरक्षित परिस्थितियों में उतारे जाने के बावजूद, इसके लड़खड़ाने से कर्मी सदस्य बोर्ड पर गिर पड़े, जिनका बचाव पोत के युक्तिपूर्वक नौचालन द्वारा किया गया। यहां भी, महावीर ने अनुकरणीय साहस को प्रदर्शित किया, जिसमें उसने तैरकर तथा अथक प्रयास के बाद जेमिनी को सीधा किया। तत्पश्चात् भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा की बगल में पहुंचने के लिए जेमिनी से विभिन्न प्रयास किए गए। हालांकि, ऊंची समुद्री लहरों और भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा के खतरनाक तरीके से दोलायमान होने के कारण इसमें सफलता नहीं मिल सकी। संपूर्ण अभ्यास के दौरान, जेमिनी की मोटर ट्रिप हो रही थी, क्योंकि ऊंची लहरों के कारण समुद्री जल से अपर्याप्त कूलिंग होने से प्रणोदक बारंबार पानी से बाहर आ रहा था तथा जेमिनी खतरनाक ढंग से जलते हुए परित्यक्त पोत (डेरिलिक्ट) के नजदीक अपवाहित हो रही थी। इन्होंने अपना संयम बनाये रखा और जेमिनी की बाह्य मोटर को चालू कर दिया तथा जेमिनी का सुरक्षापूर्वक नौचालन किया। जेमिनी और अपने कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जेमिनी द्वारा चिकित्सा निकासी को छोड़ दिया गया। भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा से अपने पोत पर सीधे रोगी की निकासी करने के अन्य प्रयास किए गए, हालांकि, टग और अपने पोत के बुरी तरह दोलायमान होने के कारण ये प्रयास भी निष्फल साबित हुए। दिन ढलने और खराब मौसम के कारण रोगी की चिकित्सा निकासी के और प्रयास नहीं किए गए।

4. यह निर्णय लिया गया कि चिकित्सा निकासी को 10 जुलाई, 2013 की सुबह शुरू किया जाए। इस कार्य में जोखिमों को जानते हुए भी महावीर, जेमिनी के कर्मी के रूप में शामिल किए जाने के लिए स्वयं आगे आये। आपरेशन को अत्यंत प्रतिकूल समुद्री स्थिति में क्रियान्वित किया गया और रोगी की सुरक्षित रूप से निकासी करके उसे अपने पोत पर लाया गया, तत्पश्चात उसे मुंबई लाया गया।

5. महावीर, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01029-आर ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-60 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर देवराज सुरेश कुमार, उत्तम सहायक इंजीनियर(ई आर), 07694-क्यू को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

देवराज सुरेश कुमार, उत्तम सहायक इंजीनियर(ई आर), 07694-क्यू ने 27 जनवरी 1999 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 19 अगस्त 2013 को लगभग 1830 बजे पोत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास नजदीक भूमि से लगभग 145 समुद्री मील की दूरी पर था। क्षेत्र में मौसम से समुद्र स्थिति 3-4 थी, हवा की गति 20-25 मील और समुद्र का स्तर 1.5 से 2.0 मीटर तक ऊपर उठा हुआ था। पोत अत्यधिक दोलित और हिल-डुल रहा था। देवराज सुरेश कुमार, पहरा प्रमुख, जलाधीन कंपार्टमेंटों का निरीक्षण कर रहा था। उसने देखा कि वाटर जेट कंपार्टमेंट के नितलों में पानी आ गया था। अधीनस्थ अफसर ने तुरंत ही इसके कारण का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी। इन्होंने पाया कि स्टारबोर्ड वाटर जेट के प्रवेश मार्ग के ट्रांसम फ्लेंज के नीचे पानी आ गया है। अधीनस्थ अफसर ने नितलों के और नीचे जाकर देखा तो पाया कि स्टारबोर्ड वाटर जेट के प्रवेश मार्ग के पास पानी का स्तर बढ़ रहा था। इन्होंने इस घटना की सूचना ब्रिज और तकनीकी अफसर को दी। क्षति नियंत्रण दल ने वाटर जेट कंपार्टमेंट के अंदरूनी हिस्से में रखे 9.02 पोर्टबल सबमर्सिबल पंपों को शुरू किया तथा नितल से पानी को बाहर निकालना शुरू किया। उस दौरान स्थिति, तुरंत कुछ ऐसे अगम्य क्षेत्रों की तलाश करने की थी जहां से पानी अंदर घुसना संभव था। हालांकि, अधीनस्थ अफसर ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अपने को तैयार किया और पाईपलाईनों के द्वारा युक्तिपूर्वक श्रमसाक्ष्य कार्य को निष्पादित किया तथा जोखिमपूर्ण और गंभीर चोट संभावित क्षेत्रों को परिसीमित किया। यह विशेष रूप से बताया जाता है कि खोज क्षेत्र अत्यंत परिसीमित है और स्थैतिक परिस्थितियों में भी क्षेत्र तक पहुंच बनाना अत्यधिक जटिल कार्य है। अधीनस्थ अफसर के प्रयासों के फलस्वरूप एक छेद का पता लगाया जा सका, जोकि पोत की सुरक्षा के लिए भी खतरा था।

3. रिसाव ऐसे स्थान से हो रहा था, जो घुमावदार था, बाधित था और सीधे दिखाई नहीं दे रहा था। उक्त रिसाव तक बाजू को पूर्णतः फैलाकर ही पहुंचा जा सकता था और प्रभावित स्पॉट और नितल प्लेट के बीच 400 मि.मी. की निकासी ही उपलब्ध थी। अनुभूति के द्वारा ही पता लगाया जा सकता है। सर्वोपरि, समीपस्थ क्षेत्र कमजोर लग रहा था और उस पर लकड़ी की डाट लगाने अथवा उसकी तख्ताबंदी करने से क्षति में अपवृद्धि हो सकती थी। पानी के दबाव और प्रवेश मार्ग की नाली पर छेद के होने के कारण तेजी से सूखने वाले सीमेंट और स्टील पुट्टी का प्रयोग कामयाब नहीं हुआ। अंत में, डीएस कुमार ने सीलिंग पदार्थ के साथ रस्सी के टुकड़ों का मिश्रण करने के द्वारा एक नवीन पद्धति के उपयोग किया।

4. देवराज सुरेश कुमार, उत्तम सहायक इंजीनियर(ई आर), 07694-क्यू ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

5. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-61 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर राजेन्द्र सिंह, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01015-एम को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

राजेन्द्र सिंह, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01015-एम ने 31 दिसम्बर 1986 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. भारतीय तटरक्षक पोत वरूण 10 जून 2013 से संक्रियात्मक तैनाती पर था। समुद्र स्थिति 4, 3-4 मीटर ऊँची लहरों के साथ उग्र रूप में था और बारिश के दौरान निम्न दृश्यता थी। पोत को 12, जून, 2013 को लगभग 1030 बजे मुख्य ईंजन में खराबी के कारण अनियंत्रित हुए एम वी एशियन एक्सप्रेस की खोज एवं बचाव कार्य हेतु प्रस्थान करने का निदेश प्राप्त हुआ और प्रतिक्रिया समय को कम करने और दिन की रोशनी में बचाव कार्य को करने के लिए 210-230 के कोर्स पर पोत ने नौचालन किया। पोत को कर्षण सहायता के लिए तैयार रहनें का निदेश दिया गया। समुद्र की उग्र लहरों और अशांत समुद्र स्थिति में 2 घंटों के अंतर्गत कर्षण अभियान के लिए पोत को तैयार रखना एक चुनौती थी। जहां ठीक खड़ा होना भी कठिन था, वहां पोत को तेज गति में प्रदर्शन करना था। इसके लिए सभी सीमैनों के, पूरी हिम्मत से निर्बाध प्रयास करने की आवश्यकता थी। अधीनस्थ अधिकारी ने पोत के अत्यधिक दोलायमान होने के बावजूद, ब्रिज से प्राप्त अनुदेशों एवं आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। पोत पर कर्षण व्यवस्थाओं के संबंध में अधीनस्थ अफसर ने कार्यकारी अफसर को महत्वपूर्ण सूचना दी, क्योंकि इस पोत पर व्यवस्था भारतीय तटरक्षक के इसी श्रेणी के अन्य पोतों से भिन्न थी।

3. लगभग 1515 बजे दत्त रेखा के पास पहुँचने पर, मास्टर ने पोत के सैलाबग्रस्त होने की और पोत को त्यागने का निर्णय लेने की सूचना दी। जैसे ही जीवन-रक्षी नौका को जलावतरित किया गया, पोत खतरनाक तरीके से असहाय पोत के नजदीक आ गया और भिड़ंत होने का खतरा उत्पन्न हो गया। दी गई जानकारी के अनुसार स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अधिनस्थ अफसर ने कर्षण रस्सी को कसने एवं ढीला छोड़ने के कार्य को नियंत्रित करने के लिए एक मानव श्रृंखला का निर्माण किया, क्योंकि पोत का नजदीक में नौचालन किया जा रहा था। पोत की जीवन-रक्षी नौका की स्टीलवायर उसके ही हुक में फंस गई और पहले से पानी में जलावतरित जीवन-रक्षी नौका को छोड़ने में विलंब हो

गया था तथा जो पोत के हल पर प्रहार कर रही थी। इसमें पोत का नजदीकी बनाकर युक्तिपूर्वक चालन करना अपेक्षित था। युक्तिचालन के समय रस्सी ढीली छोड़ो तो वह दूसरी दिशा में बढ़ सकता था और उससे जीवन–रक्षी नौका के कर्मियों के जीवन को खतरा हो सकता था। गलती की कोई गुंजाईश नहीं थी और रस्सी को पकड़ने, ढीला करने व कसने के आदेशों को मुस्तैदी से निष्पादित किया गया। अधीनस्थ अफसर ने कर्षण के सतत कनेक्शन को सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट मानव प्रबंधन, जोश एवं सीमैन कौशल को प्रदर्शित किया।

4. जीवन-रक्षी नौका के कर्मियों के पोतारोहण के दौरान, समुद्र की लहरों के उतार-चढ़ाव के कारण जीवन-रक्षी नौका पोत के हल से टकरा रही थी और थके हुए एवं संकटग्रस्त पोत के कर्मियों के पोतारोहण में बहुत कठिनाई हो रही थी। अधीनस्थ अफसर ने पुनः अपनी सूझ-बूझ और सीमैन कौशल का परिचय दिया तथा निजी सामानों के संग्रहण, बोलिन के बाँधने आदि के लिए छोटी मैसेंजर रेखाओं/रस्सियों को तैयार किया ताकि कर्मी उसे पकड़ कर पोत पर चढ़ सकें। इसके लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता थी, क्योंकि पोत 20-25 से अधिक डिग्री में दोलित हो रहा था। पूरे खोज एवं बचाव अभियान में, एम वी एशियन एक्सप्रेस के 22 कर्मियों का सुरक्षित रूप से बचाव किया गया।

5. राजेन्द्र सिंह, उत्तम अधिकारी (क्यू ए), 01015-एम ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-62 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर प्रदीप कुमार, उत्तम यांत्रिक (एस डब्ल्यू), 08171-डब्ल्यू को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

<u>प्रशस्ति उल्लेख</u>

प्रदीप कुमार, उत्तम यांत्रिक (एस डब्ल्यू), 08171-डब्ल्यू ने 05 अगस्त 2009 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 06 जुलाई 2013 को, भारतीय तटरक्षक पोत समुद्र प्रहरी को, एमओएल कम्फर्ट, जोकि पूर्व में दो भागों में विभक्त हो गया था तथा पोत का पिछला भाग अरब सागर में डूब गया था, के परित्यक्त

पोत (डोरिलिक्ट) पर अग्निशमन का कार्यभार सौंपा गया। पोत टैंक कंटेनरों सहित ऐसे कंटेनरों को ले जा रहा था, जिनमें खतरनाक सामान और जोखिमपूर्ण एवं क्षतिकारी पदार्थ था। पोत के शेष भाग हो जब भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा द्वारा कषर्णाधीन किया जा रहा था तो उस समय कंटेनरों में आग लग गयी थी। तदनुसार, पोत 08 जुलाई, 2013 से परित्यक्त पोत (डेरिलिक्ट) को अग्नि शमन सहायता देने में संलिप्त था।

3. 09 जुलाई 2013 को लगभग 1130 बजे, पोत द्वारा अग्निशमन अभियान क्रियान्वित करने के दौरान, भारतीय जहाजरानी निगम के टग ऊर्जा के मास्टर ने टग के मुख्य इंजीनियर की चिकित्सा निकासी किए जाने की आवश्यकता के संबंध में सूचित किया। दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रबल था और क्षेत्र में विद्यमान मौसम के अनुसार समुद्र की स्थिति 5 थी, हवा की गति 35-40 समुद्री मील थी तथा समुद्र में 5 मीटर तक उठाव था। चूंकि टग ने रोगी को स्थानांतरित करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की, इसलिए पोत की जेमिनी का उपयोग करते हुए चिकित्सा निकासी करने का निर्णय लिया गया। जेमिनी को नीचे उतारने के अभियान के दौरान, पूरे क्वार्टरडैक पर ऊँची लहरे पड़ रही थी। इसके अलावा, क्रेन भी अनियंत्रित रूप से झूल रही थी, जिससे डैक पर कर्मियों के लिए खतरा बना हुआ था। इन सभी कारणों से बोर्डिंग पार्टी के विश्वास में कमी आ रही थी। भर्ती कार्मिक, जोकि बचाव दल का स्वैच्छिक सदस्य बना था, ने डैक से 10 फुट ऊपर स्थित क्रेन को नियंत्रित करने के लिए पोजीशन ली और झूलती क्रेन को रोका तथा जेमिनी को उतारना शुरू किया। जेमिनी को ध्यानपूर्वक नीचे लाया गया और भर्ती कार्मिक ने यह सुनिश्चित किया कि किसी को कोई क्षति/चोट न पहुंचें। यह इस तथ्य के बावजूद था कि पोत अत्यधिक रूप से दोलायमान हो रहा था जिसके फलस्वरूप नीचे उतारने के दौरान क्रेन की चेन ब्लॉक पोत की साइडों से टकरा रही थी। जेमिनी पर बोर्डिंग पार्टी के एक व्यक्ति के साथ जेमिनी की पुनः प्राप्ति करते समय, क्रेन बुरी तरह से अटक गयी जिसके कारण जेमिनी खतरनाक ढंग से झूलने लगी। भर्ती कार्मिक ने यह पाया कि हाइड्रॉलिक होज में हुई खराबी के कारण क्रेन निष्क्रिय हो गयी थी। प्रतिकूल मौसमी परिस्थिति और क्रेन की हाइड्रोलिक प्रणाली को ठीक करने में संलिप्त जोखिमों के बावजूद, डैक से 14 फुट की ऊँचाई पर स्थित क्रेन के खराब हुए हाईड्रोलिक होज को बदलने के कार्य को स्वेच्छा से लेते हुए, भर्ती कार्मिक ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, अकेले दम पर कार्य को निष्पादित करने में अनुकरणीय उत्साह को प्रदर्शित किया। भर्ती कार्मिक के कठिन परिश्रम से खराबी को ठीक किया गया तथा जेमिनी को और उस पर मौजूद व्यक्ति सहित सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त किया गया।

4. 10 जुलाई 2013 को, समुद्र की अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में जेमिनी को पुनः उतारा गया और रोगी को सुरक्षित रूप से आरोहित किया गया। भर्ती कार्मिक निकासी दल का हिस्सा रहा।

5. प्रदीप कुमार, उत्तम यांत्रिक (एस डब्ल्यू), 08171-डब्ल्यू ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

सं/प्रेज-63 .2014 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(i) उपमहानिरीक्षक परमेश शिवमनी (0244-डी)
(ii) कमांडेंट अरविन्द शर्मा (0255-डी)
(iii) कमांडेंट मुकेश कुमार शर्मा (0340-वी)

2. सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(ii) के तहत तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 2014

संकल्प

सं. 11-2/2002-प्रशासन-4--इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 11-2/2002-प्रशासन-4, दिनांक 06.09.2013 के क्रम में भारत सरकार एतद्द्वारा श्रीमती सुधा चौधरी के स्थान पर श्री बी. चन्द्रशेखर, निदेशक, म. प्र. राज्य सहकारी डेयरी संघ को तत्काल प्रभाव से दिल्ली दुग्ध योजना की प्रबंध समिति का सदस्य नामित करती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, कृषि और सहकारिता विभाग के मुख्य लेखा अधिकारी, लेखा के मुख्य निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, मेयर दिल्ली म्यूनिसिपल कार्पोरेशन, अध्यक्ष, नई दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

रजनी सेखरी सिबल
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2014

No. 50-Pres/2014 - The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the undermentioned Officer of Chandigarh Fire & Emergency Services: -

SHRI RANDHIR SINGH
FIREMAN

2. On dated 23.01.2013 at 08.01 hrs, a fire call was received at the Control Room, Fire Station, Sector 17, Chandigarh about the fire incident at House No. 2324, Sector 37C, Chandigarh. On receipt of the call, immediately Fire Crew along with Fire Tender rushed to the spot. On reaching at the scene of incident it was observed that the fire was due to a LPG cylinder. The crew started fire fighting operation to contain and extinguish fire. Shri Randhir Singh, Fireman was holding fire fighting branch and spraying water on the fire. He was fully aware of the risk of explosion in case of the cylinder burst. Without caring for his own life, he continued fire fighting operation. During the course of operation of fire fighting, the LPG cylinder burst and seriously injured fireman Shri Randhir Singh. He was evacuated and hospitalized. Due to his courage a major fire incident was averted.

3. Fireman, Shri Randhir Singh, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

4. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5(a) w.e.f. 23.01.2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 51-Pres/2014 - The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer of Mizoram Fire & Emergency Services: -

1. SHRI LALNGHAHMAWIA
FIREMAN

2. SHRI C. LALAWMPUIA
FIREMAN

3. SHRI B. VANLALRUATTLUANGA
FIREMAN

2. On dated 11.05.2013 at 03.30 hrs, a rescue call was received by Fire & Emergency Service Station, Aizawl about the collapse of a five storied PWD, RCC building at Laipuitlang Ramhlun Venglai area, Aizawl, Mizoram. Immediately, Fireman, Shri Lalnghahmawia, Shri C. Lalawmpuia and Shri B. Vanlalruattluanga rushed to the spot with Fire Tender and equipment.

On reaching at the scene of incident, it was observed that the five storied PWD, RCC building which was constructed at the top of the hillock was collapsed and tumbled down over the thick residential area about 500ft below. The damage was so devastating that seven numbers of RCC building and eight numbers of Semi-pucca buildings with several vehicles were completely damaged and buried under fragmented RCC buildings and soil. The movement of damaged building and landslide were still going on when the crew surveyed the area. Under the debris, deep inside of one damaged building they heard one person crying for help. These three firemen without caring to the falling debris and to their lives started crawling down through a small hole, removing and clearing heaps of rubbles on the creepy and dark way. After an hour they reached to the place where one lady was trapped and crying for help. The three firemen took their turns to pull a trapped lady named Mrs. Nambaarliani and finally brought her out alive around 0500hrs. The three Firemen kept on rescuing others trapped persons and were instrumental in rescuing eight other persons alive from the rubbles and debris along with 17 dead bodies from deep inside the collapsed RCC buildings.

3. Fireman, Shri Lalnghahmawia, Shri C. Lalawmpuia and Shri B. Vanlalruattluanga, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

4. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5(a) w.e.f. 11.05.2013.

SURESH YADAV

OSD to the President

No. 52-Pres/2014 - The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officer of Tamil Nadu Fire & Emergency Services: -

SHRI JAM MESHA SAHIB NIJAM BATSHA
FIREMAN

2. On dated 09.09.2013 at 10.40 hrs, a rescue call was received at Gobichettipalayam Fire and Rescue Service Station that a person Tr. Karna, aged 21 years fell inside a well, 100 feet deep at Kullampalayam Villagae, Vellalapalayam Section, Gobichettipalayam, Erode, Tamil Nadu while undertaking the cleaning work. On receipt of the call, immediately a rescue team headed by Station Officer along with the Water Tender rushed to the spot. On reaching at the scene of incident it was found that the 21 years old student was trapped inside the dilapidated well. Fireman, Jam Mesha Sahib Nijam Batsha, aged 57 years, with his experience of 32 years of service came forward to rescue the student and entered into the well without fearing availability of poisonous gas and risk to his life. After stabilizing himself, he applied the stretcher knot on the victim and brought him out alive from the well with the help of other crew members.

3. Fireman, Shri Jam Mesha Sahib Nijam Batsha, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

4. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5(a) w.e.f. 09.09.2013.

SURESH YADAV

OSD to the President

No. 53-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the President's Fire Service Medal for Distinguished Service to the under mentioned officers :-

1. SHRI FAZLUR RAHMAN SHARIFF
   REGIONAL FIRE OFFICER
   KARNATAKA
2. SHRI SHIVANNEGOWDA. H..M.
   DISTT. FIRE OFFICER
   KARNATAKA
3. SHRI BHABAGRAHI GHADEI
   DY. FIRE OFFICER
   ODISHA
4. SHRI MANORANJAN BHOL
   DY. FIRE OFFICER
   ODISHA
5. SHRI SOMANATH BEHERA
   FITTER STATION OFFICER
   ODISHA
6. SHRI DUKHISHYAM DAS
   HAVILDAR MAJOR
   ODISHA

7. SHRI AKSHAYA KUMAR PRADHAN
   ASSTT. STATION OFFICER
   ODISHA

8. SHRI SHISHIR KUMAR BHATACHARJEE
   FIREMAN
   ODISHA

9. SHRI BINOD KUMAR YADAV
   ASST. SUB-INSPECTOR/FIRE
   CISF, MHA

10. SHRI SEWA RAM
ASST. SUB-INSPECTOR/FIRE
CISF, MHA

11. SHRI DEVENDRA SINGH CHAUHAN
DY. CHIEF FIRE OFFICER
DEPTT. OF ATOMIC ENERGY

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of President's Fire Service Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 54-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Fire Service Medal for Meritorious Service to the under mentioned officers :-

1. SHRI SUKLA RAM BORO
STATION OFFICER
ASSAM

2. SHRI LIKHENDRA BORAH
SUB-OFFICER
ASSAM

3. SHRI DINESH KALITA
LEADING FIREMAN
ASSAM

4. SHRI K. L. PATHAK
STATION FIRE OFFICER
DADRA & NAGAR HAVELI

5. SHRI V. B. ROHIT
SUB-OFFICER
DADRA & NAGAR HAVELI

6. SHRI G. D. SHAIKH
LEADING FIREMAN
DAMAN & DIU

7. SHRI ASHOK G. MENON
DIRECTOR
GOA

8. SHRI HARICHANDRA D. NAIK
STATION FIRE OFFICER
GOA

9. SHRI KASHINATH DULBA SAIL
SUB OFFICER
GOA

10. SHRI BHISO RAGU GAWAS
DRIVER OPERATOR
GOA

11. SHRI JAGDISH CHANDER SHARMA
STATION FIRE OFFICER
HIMACHAL PRADESH

12. SHRI SHIVASHANKARA. T. N.
REGIONAL FIRE OFFICER
KARNATAKA

13. SHRI AMANULLA KHAN
DISTRICT FIRE OFFICER
KARNATAKA

14. SHRI KRISHNAPPA. B.
FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

15. SHRI ANTAPPA
ASST. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

16. SHRI VENKATESH
ASST. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

17. SHRI GAJENDRA V.
LEADING FIREMAN
KARNATAKA

18. SHRI MALLESH
FIREMAN
KARNATAKA

19. SHRI RAVEENDRAN P. V.
ASSTT. STATION OFFICER
KERALA

20. SHRI BIJU V. K.
LEADING FIREMAN
KERALA

21. SHRI T. VINOD KUMAR
LEADING FIREMAN
KERALA

22. SHRI BABU SINGH KHARAIBAM
SUB-OFFICER
MANIPUR

23. SHRI KHUMAN PETER TANGKHUL
LEADING FIREMAN
MANIPUR

24. SHRI GANESH MUKTAN
SUB OFFICER
MEGHALAYA

25. SHRI PIKHUVI SEMA
DY. S.P. (F & ES)
NAGALAND

26. SHRI W. SASHILEMBA JAMIR
INSPECTOR
NAGALAND

27. SHRI BRAHMANANDA MALLICK
STATION OFFICER
ODISHA

28. SHRI NRUSINGH CHARAN MOHANTY
LEADING FIREMAN
ODISHA

29. SHRI SHYAM SUNDAR NAIK
LEADING FIREMAN
ODISHA

30. SHRI KABINDRA KUMAR JENA
DRIVER HAVILDAR
ODISHA

31. SHRI AJAYA KUMAR SWAIN
FIREMAN
ODISHA

32. SHRI DHRUBA CHARAN PRADHAN
FIREMAN
ODISHA

33. SHRI BIRKHA BAHADUR LIMBOO
SUB FIRE OFFICER
SIKKIM

34. SHRI MUNIASAMY SIVALINGAM
STATION OFFICER
TAMIL NADU

35. SHRI RAMASAMY VALAYAPTHI
STATION OFFICER
TAMIL NADU

36. SHRI SAMBANDAM RAJENDRAN
LEADING FIREMAN
TAMIL NADU

37. SHRI KALIYAPPA MOORTHY
DRIVER MECAHANIC
TAMIL NADU

38. SHRI KALIYAPPAN CHELLAIYA
FIREMAN DRIVER
TAMIL NADU

39. SHRI JOSEPH MARIYADASS
FIREMAN DRIVER
TAMIL NADU

40. SHRI DHAN SINGH
F.S.S.O.
UTTARAKHAND

41. SHRI PRATAP SINGH
LEADING FIREMAN
UTTARAKHAND

42. SHRI RAJ NATH SINGH
SR. COMMANDANT/FIRE
CISF, MHA

43. SHRI P. VINOD
ASST. COMMANDANT/FIRE
CISF, MHA

44. SHRI UPENDRA KUMAR
INSPECTOR/FIRE
CISF, MHA

45. SHRI RAM NIWAS
HEAD CONSTABLE/FIRE
CISF, MHA

46. SHRI HIMANSHU SEKHAR SAHU
MANAGER (FIRE SERVICE)
ONGC, M/O PET. & N. GAS

47. SHRI MONMOHAN DEBBARMA
SR. FIRE OFFICER
ONGC, M/O PET. & N. GAS

48. SHRI BIRENDRA SHIVNARAYAN CHOUDHARY
CHIEF FIREMAN
ONGC, M/O PET. & N. GAS

49. SHRI RAMAN BHAI LAVJI BHAI MAKWANA
CHIEF FIREMAN
ONGC, M/O PET. & N. GAS

50. SHRI ARUN KUMAR DAS
CHIEF MANAGER (FIRE & SAFETY)
BPCL, M/O PET. & N. GAS

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of Fire Service Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 55-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the President's Home Guards & Civil Defence Medal for Distinguished Service to the undermentioned officers:-

1. SHRI RAM PAL SOLANKI
DY. CHIEF WARDEN (CD)
DELHI

2. SHRI BHARAT LAL LODHI
SUBEDAR (M)
MADHYA PRADESH

3. SHRI HUKUM CHAND RAJAK
HAVILDAR STOREMAN (HG)
MADHYA PRADESH

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the award of President's Home Guards & Civil Defence Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 56-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Home Guards & Civil Defence Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

1. SHRI BAHUR SINGH SAHU
PLATOON COMMANDER (HG)
CHHATISGARH

2. SHRI BANSHDHARI KAMDEY
COY. HAVILDAR MAJOR (HG)
CHHATISGARH

3. SHRI RAGHUNANDAN SINGH RAJPUT
HAVILDAR (HG)
CHHATISGARH

4. SHRI DURYODHAN RANA
COY. HAVILDAR MAJOR (HG)
CHHATISGARH

5. SHRI SHRAVAN TANIYA VARTHA
HOME GUARD
DADRA AND NAGAR HAVELI

6. SMT. NAYNABEN CHHOTUBHAI PATEL
HOME GUARD
DADRA AND NAGAR HAVELI

7. SHRI MAHESH BABU PATEL
HOME GUARD
DAMAN & DIU

8. SHRI SOHAN PAL SINGH TOMAR
DIVISIONAL WARDEN (CD)
DELHI

9. SHRI ASHOK KUMAR TANWAR
INSTRUCTOR CIVIL DEFENCE
DELHI

10. SHRI PARMESHWAR BANGARI
JUNIOR INSTRUCTOR (HAV)
DELHI

11. SHRI VIJAY KUMAR SHEORAN
SENIOR STAFF OFFICER (HG)
HARYANA

12. SHRI RAJ PAL SANGWAN
COMMANDANT (CTI)
HARYANA

13. SHRI HARI RAM
COMPANY COMMANDER (HG)
HARYANA

14. SHRI DEV RAJ
PLATOON COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH

15. SHRI KARNAIL SINGH
PLATOON COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH

16. SHRI ISHWAR CHAND GAUTAM
COMPANY COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH

17. SHRI LOKINDER SINGH DHAUTA
PLATOON COMMANDER (HG)
HIMACHAL PRADESH

18. SHRI RACHAPPA BASAPPA HADIMANI
PLATOON COMMANDER (HG)
KARNATAKA

19. SHRI M. KRISHNAPPA
ASSISTANT INSTRUCTOR (HG)
KARNATAKA

20. SHRI NAGAPPA RAMACHANDRA
COMPANY COMMANDER (HG)
KARNATAKA

21. SMT. R.D.VINODAMMA
CQMS (HG)
KARNATAKA

22. SHRI AMRIK SINGH SEHGAL
DEPUTY CHIEF WARDEN (CD)
KARNATAKA

23. SHRI BHOJ PAL VERMA
DIVISIONAL COMMANDANT (HG)
MADHYA PRADESH

24. SHRI DHARAM RAJ VERMA
COMPANY COMMANDER (HG)
MADHYA PRADESH

25. SHRI BHUPENDRA SINGH THAKUR
COMPANY COMMANDER (HG)
MADHYA PRADESH

26. SHRI RADHE LAL CHOUDHRI
HAVILDAR (HG)
MADHYA PRADESH

27. SHRI RANDEEP JAGGI
DIVISIONAL WARDEN (CD)
MADHYA PRADESH

28. SHRI CHARLESTON RANEE
COMMANDANT (CTI)
MEGHALAYA

29. SHRI ABINASH DALBOT SANGMA
HAVILDAR (BWHG)
MEGHALAYA

30. SHRI RANJAN KUMAR MALLICK
CD VOLUNTEER
ODISHA

31. SHRI JANMEJAY ROUTRAY
CD VOLUNTEER
ODISHA

32. SHRI BARUN KUMAR MITRA
COMPANY COMMANDER (HG)
ODISHA

33. SHRI BIDYADHARA JENA
PLATOON COMMANDER (HG)
ODISHA

34. SHRI SISIR KUMAR SAHU
PLATOON COMMANDER (HG)
ODISHA

35. SHRI DAWA SANGAY SHERPA
HOME GUARD
SIKKIM

36. SHRI S.SENTHIL KUMAR
AREA COMMANDER (HG)
TAMIL NADU

37. SHRI V.ESWARAN
PLATOON COMMANDER (HG)
TAMIL NADU

38. SHRI S. RAMAKRISHNAN
ASST. PL. COMMANDER (HG)
TAMIL NADU

39. SHRI S.KAMALRAJAN
HOME GUARD
TAMIL NADU

40. SHRI NIMAI CHAND MITRA
HOME GUARD
TRIPURA

41. SMT.SABITA PAUL
HOME GUARD
TRIPURA

42. SHRI NAROTTAM DAS AGARWAL
CHIEF WARDEN (CD)
UTTAR PRADESH

43. SHRI BHUPENDRA PAL KHATRI
DIVISIONAL WARDEN (CD)
UTTAR PRADESH

44. SHRI SUNIL KUMAR GARG
INCIDENT CONTROL OFFICER (CD)
UTTAR PRADESH

45. SHRI GANGA SHARAN
INCIDENT CONTROL OFFICER (CD)
UTTAR PRADESH

46. SHRI VISHNU KUMAR TIWARI
DY. DIVISIONAL WARDEN (CD)
UTTAR PRADESH

47. SHRI CH.U.B.E. PRASAD
PART TIME CIVIL DEFENCE INSTRUCTOR
RAILWAYS

48. SHRI SHRINIVAS SHRIDHAR VAIDYA
ASST. CIVIL DEFENCE INSPECTOR
RAILWAYS

49. SHRI SURENDERKUMAR GANESHPRASAD KHANNA
CIVIL DEFENCE INSTRUCTOR
RAILWAYS

50. SHRI SUNIL BABARAO SAWARKAR
STENOGRAPHER GRADE-I
NCDC

2. These awards are made under Rule 3(ii) of the rules governing the award of Home Guards & Civil Defence Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 57-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Bar to Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Prabhdeep Singh Malhotra, TM (0305-Q).

CITATION

Commandant Prabhdeep Singh Malhotra, TM (0305-Q) joined the Indian Coast Guard on 11 January 1992.

2. On 24 September 2013, an information was received at Indian Coast Guard Air Station Daman regarding a mentally unsound lady stranded on a rock in the middle of Daman Ganga river in spate at village Naroli, Silvassa. It was established that the situation is likely to deteriorate further due to impending release of water from Madhuban Dam as it was brimming up to its danger mark. The weather over Daman and in the surrounding area was very bad.

3. Commandant PS Malhotra rushed to the helicopter CG 821 with his team and took off at 1045 hours for rescuing the stranded lady. Weather further deteriorated en-route and visibility dropped to almost zero. Despite his persistent efforts, CG 821 was not able to proceed towards datum due to bad weather and he had to return base for refuelling. Meanwhile, information was received from Administration that release of water from Madhuban Dam cannot be stopped for more time due to heavy ingress of water and there was a window of about 45 minutes only for the rescue of stranded lady.

4. Despite inclement weather, the officer with his team again took off the helicopter at 1220 hours. He decided to fly low over Daman Ganga river to avoid low Cumulonimbus (CB) clouds and other obstructions. He asked his co-pilot Assistant Commandant Pawandeep Singh to keep a sharp look out for high tension cables across the river. He also kept a close watch on all engine parameters and flying instruments while navigating his way through poor visibility. They managed to penetrate bad weather this time and to reach the datum in time. The officer, without wasting any time, managed to establish a steady hover over the rock in the middle of flooding river despite gusty winds and lowered free diver to assist the lady in distress. The stranded lady was finally winched up from the rock at 1240 hours. After winching up free diver, the officer managed to locate a nearby landing place and successfully landed there. The lady was then transferred to waiting medical team. On completion of Search and Rescue (SAR) mission the officer again took off from the datum and returned back to base safely at 1300 hours.

5. Commandant Prabhdeep Singh Malhotra, TM (0305-Q) has accredited himself well and therefore he is awarded the Bar to Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 58-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Vikas Narayan Singh (0273-S).

CITATION

Commandant Vikas Narayan Singh (0273-S) joined the Indian Coast Guard on 06 January 1991.

2. On 30 July 2013, a message was received from police control room regarding capsizing of canoe "Vishav Fishery'' with eight fishermen reported missing out at sea. The police requested for a helicopter Search and Rescue (SAR) effort to locate the missing fishermen, as search by boats was not feasible due to rough sea conditions. Being the second month of monsoon, Goa had been experiencing heavy rainfall and on that morning the weather was very bad. The squadron was tasked for immediate launch of Helicopter for the SAR of the distressed men.

3. Realizing the criticality of situation due to bad weather and very low visibility compounded by heavy rains, Commandant Vikas Narayan Singh, being the Squadron Commander of 800

Squadron(CG) and the senior most pilot decided to involve himself for this mission and planned accordingly. Within minutes of receiving SAR signal, helicopter got airborne at 1120 hours and transited to Mobor beach, Goa as per plan. Intermittent heavy showers made it impossible for the officer to attempt high speed transit and the helicopter resorted to track crawling along the coast line. On reaching Mobor, the helicopter proceeded to the designated position to establish search pattern. Poor weather necessitated 'low and slow reccee' so as not to miss out on any floating object or debris. After 10 minutes of flying, a heap of floating fishing nets was sighted.

4. On coming to the datum, initially only floating nets and buoys were sighted, further the officer estimated that the fishermen should have been drifted in the vicinity. As they were not anywhere in and around the Fishing nets, the low visibility and the rain downpour necessitated that the helicopter flies further low to search for individuals. The officer decided to take the risk beyond call of duty and flew further low, finally he could locate the fishing crew clinging to thin strands of blue nets.

5. Maintaining steady hover in such weather condition was a herculean task as the strong gusty winds were constantly shifting the helicopter away from the point of hover, whereas the choppy sea conditions did not allow the pilot to settle at a safe height above water. Also, non-awareness of the fishermen regarding rescue strop usage complicated the situation.

6. The officer briefed the crew for attempting quick-low hover rescue runs wherein the helicopter would be brought to low hover for short periods to effect safe winch up and simultaneously keeping clear of the wave crests for aircraft safety. The arduous and skilful mission resulted in rescue of three precious lives to safety. The officer returned on disembarking three survivors on beach and directed the life guards in their water scooters towards the few other fishermen. Altogether, eight precious lives were saved during the operation.

7. Commandant Vikas Narayan Singh (0273-S) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

8. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 59-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Mahavir, Uttam Adhikari (Quarter Armour), 01029-R.

CITATION

Mahavir, Uttam Adhikari (Quarter Armour), 01029-R joined the Indian Coast Guard on 31 December 1986.

2. Indian Coast Guard Ship(ICGS) Sumadra Prahari on 06 July 2013, was tasked to undertake fire fighting operations on the derelict of 'MOL Comfort', which had earlier broken into two parts and the aft portion of the ship had sunk in the Arabian Sea. The remaining portion of the ship was being towed by Shipping Corporation of India (SCI) Tug Urja, when some containers caught fire. Accordingly, ship was involved in rendering fire fighting assistance on the derelict from 08 July 2013. In addition to SCI Tug Urja that was towing the derelict, tow other tugs viz., Capricorn and Zakheer Emperor were in vicinity to render necessary assistance.

3. Whilst the ship was undertaking fire fighting operations on 09 July 2013, at about 1130 hrs, the Master of SCI Tug Urja intimated the requirement of medical evacuation of the Tug's Chief Engineer, Mr MD Naik, aged 45 years, an Indian national, who had severed the middle finger of his right hand while working on the Air-conditioner Plant. Accordingly, medical evacuation was planned. In the area sea state was 5, winds of 35-40 knots and 5 meters tall swell. The ship was rolling to 30 degrees due to the prevailing heavy weather. SCI Tug Urja was requested to explore the feasibility of transferring the patient on either Capricorn or Zakheer, who could in turn transfer the patient on ICG ship. Both these tugs expressed inability to undertake transfer of patient. It was then decided to undertake the medical evacuation utilizing the ships Gemini. Mahavir, willingly came forward and volunteered to be part of the Gemini crew. The Gemini was, thereafter, lowered with the experienced crew. Even after the Gemini was lowered in much safer conditions, it toppled with all crew members falling over board, who were rescued by the ship's maneuvers. Herein also, Mahavir displayed exemplary courage, wherein, he swam and set the Gemini upright after humongous effort. Thereafter, the Gemini made several attempts to go alongside SCI Tug Urja, however, this could not succeed due to tall waves and dangerous rolling of SCI Tug Urja. During the entire exercise, the Gemini's outboard motor kept tripping, since the propeller was frequently coming out of water due insufficient cooling from sea water due to tall waves and the Gemini was drifting dangerously close to the burning derelict. He kept his calm and kept getting the outboard motor started and maneuvered the Gemini to safety. Taking into consideration the safety of the Gemini and own crew, the attempt to undertake medical evacuation by the Gemini was called off. Other methods to evacuate the patient directly from SCI Tug Urja into own ship by maneuvers were attempted, however, the same also proved futile, since both the tug and own ship were rolling heavily. Any further attempt to effect medical evacuation of patient was aborted due to fading sunlight and worsening weather.

4. It was decided to attempt medical evacuation again on the morning of 10 July 2013. Again, Mahavir came forward to be a part of the Gemini crew despite being fully aware of the perils involved. The operation was undertaken in extremely rough sea conditions and the patient was safely evacuated and brought to own ship and then taken to Mumbai.

5. Mahavir, Uttam Adhikari (Quarter Armour), 01029-R has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 60-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Devaraj Suresh Kumar, Uttam Sahayak Engineer (Engine Room), 07694-Q.

CITATION

Devaraj Suresh Kumar, Uttam Sahayak Engineer (Engine Room), 07694-Q joined the Indian Coast Guard on 27 January 1999.

2. On 19 August 2013, at about 1830 hrs, Indian Coast Guard Ship(ICGS) Rani Abbakka was on International Maritime Boundary Line (IMBL) patrol, approximately 145 nautical mile from the nearest land. Weather in the area was Sea state 3-4, winds 20-25 knots, swell 1.5-2.0 metre. The ship was experiencing heavy roll and pitch. DS Kumar, chief of the watch, was on rounds of underwater compartments. He observed presence of water in bilges inside water jet compartment. He immediately started investigating the cause. He observed water under the transom flange of Starboard (Stbd) water jet inlet duct. He further went down to the bilges and found water level increasing in vicinity of the Inlet duct of Stbd water jet. He informed the occurrence to bridge and Technical Officer. Damage control(DC) party was closed up. The sub-officer(SO) with the help of Damage control party, started 02 portable submersible pumps placed inside the Water jet compartment and commenced pumping out the bilges. The situation at this moment warranted immediate search of certain inaccessible areas to rule out any possible breach of water tight integrity. The SO, however, realizing the gravity of the situation took upon himself and executed backbreaking task by maneouvering through pipelines and confined spaces risking severe injuries and threat to self. It is highlighted that the search area is so confined that it is herculean task to reach the area even under static conditions. The efforts of the SO resulted into detection of a hole which was dangerous for the ship.

3. The reported leak was from an area which was curved, space constrained and out of direct line of sight. It could only be reached by maximum extension of arm with available clearance of 400 mm between the effected spot and the bottom plate. Only way to contain was by sense of touch. Moreover, the adjacent area was suspected to have weakened and insertion of wooden plug or shoring could have aggravated the damage. Application of Quick drying cement and steel putty failed on two accounts i.e. water pressure and hole being on trough of the inletduct. Finally, DS Kumar came out with an innovative method of using Oakum mixed with sealing compound. He stuffed a ball of Oakum inside the hole to reduce heavy water ingress so that further repair could be done by DC party.

4. D Suresh Kumar, Uttam Sahayak Engineer (Engine Room), 07694-Q has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

5. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 61-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Rajinder Singh, Uttam Adhikari (Quarter Armour), 01015-M.

CITATION

Rajinder Singh, Uttam Adhikari (Quarter Armour), 01015-M joined the Indian Coast Guard on 31 December 1986.

2. Indian Coast Guard Ship Varuna was on deployment since 10 June 2013 and was subjected to rough seas with a sea state of 4, swell of 3-4 meters and low visibility during rains. The ship received directives to proceed for Search and Rescue (SAR) of MV Asian Express reported adrift with main engine failure at about 1030 hrs on 12 June 13 and had shaped direct course of 210-230 to reduce reaction time and effect rescue in daylight. The ship was directed to prepare for towing assistance. This presented a challenge to the ship to prepare for towing operations within 2 hours amidst tossing and choppy seas. Where stable footing was becoming difficult, the ship had to take out heavy gears for laying out. The evolution required whole hearted and undeterred effort from all seamen. The Sub-officer (SO) ensured strict implementation of instructions and orders from Bridge despite the heavy rolling of the ship. The SO provided important inputs to the Executive officer in laying the towing arrangements onboard, as the arrangement onboard this ship is different from other ICG ships of similar class.

3. On approaching the datum at about 1515 hrs, the master reported flooding and decision to abandon ship. As the lifeboat was being launched, the ship was precariously close to the adrift vessel with a risk of collision. Understanding the severity of the situation as briefed the SO formed a human chain to control the heaving in and slackening of the tow rope as ship maneuvered close. The lifeboat steelwire guys of the vessel got entangled in her own hooks and delayed release of the launched lifeboat already in water and pounding the vessel's hull. This required the ship to remain close and maneuver. Loosing of tow rope during maneuver might result in making another approach and subjecting the lifeboat crew to life threatening risk. There was no margin of error and all orders passed to hold, slack and heave were to be executed promptly. The SO displayed excellent man management, josh and seaman skills in ensuring continuous connection of the tow.

4. During embarkation of the lifeboat crew, the heavy swell and tossing seas pounded the lifeboat to ship's hull and embarkation was becoming difficult for the tired and distressed vessel's crew. The SO again displayed his presence of mind and seamanship skills and prepared smaller messenger lines/ ropes for collecting personal items, tying of bowline etc and leaned to hold hands as the crew embarked. This required physical and mental toughness as ship rolled more than 20-25 degrees. In the entire SAR operation, 22 crew of MV Asian Express were safely rescued.

5. Rajinder Singh, Uttam Adhikari (Quarter Armory), 01015-M has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 62-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Pradeep Kumar, Uttam Yantrik (Ship Wright), 08171-W.

CITATION

Pradeep Kumar, Uttam Yantrik (Ship Wright), 08171-W joined the Indian Coast Guard on 05 August 2009.

2. Indian Coast Guard Ship Samudra Prahari on 06 July 2013, was tasked to undertake fire fighting operations on the derelict of MOL Comfort, which had earlier broken into two parts and the aft portion of the ship had sunk in the Arabian Sea. The ship had been carrying containers including tank containers that had dangerous goods and Hazardous and Noxious Substances. The remaining portion of the ship was being towed by Shipping Corporation of India (SCI) Tug Urja, when some containers caught fire. Accordingly, ship was involved in rendering fire fighting assistance on the derelict from 08 July 2013.

3. Whilst the ship was undertaking fire fighting operations on 09 July 2013, at about 1130 hrs, the Master of SCI Tug Urja intimated the requirement of medical evacuation of the Tug's Chief Engineer. It was thick of the south west monsoon and the prevailing weather conditions in the area then was sea state 5, winds of 35-40 knots and 5 meters tall swell. Since tugs expressed inability to transfer the patient. It was decided to undertake the medical evacuation utilizing the ships Gemini. During the Gemini lowering operations, the quarterdeck was awash with large waves lashing across it. Further, the crane was also swaying uncontrollably that posed a dangerous situation for personnel on deck. All these mitigating factors were waning the confidence of Boarding party. The Enrolled Person(EP), who had volunteered to be a part of the rescue team positioned himself on the controls of crane which is located 10 feet above the deck and aptly utilized his acumen and arrested the swaying of the crane and attempted to lower the Gemini. The Gemini was lowered with utmost care and EP ensured that no one was hurt/injured. This was despite the fact that the ship was rolling excessively as a result of which the chain block of the crane was banging against the ship side during lowering operation. While recovering the Gemini with one person of the boarding party on the Gemini, the crane got stuck in awkward position leading to dangerous swaying of Gemini. The EP found that the crane was rendered non-operational due rupturing of a hydraulic hose. Despite the adverse weather condition and the resultant perils involved in attempting to rectify the hydraulic system of the crane that was located at a height of 14 feet above the deck, the EP exhibited exemplary courage and with utter disregard to his personal safety, willingly undertook the task of replacing the ruptured hose of the crane, almost single-handedly. The defect was rectified after EP arduously toiled and the Gemini was safely recovered with the person on board sustaining no injuries.

4. On 10 July 2013, Gemini was again lowered in extremely rough sea conditions and the patient was safely taken on board. The EP was part of the evacuation team.

5. Pradeep Kumar, Uttam Yantrik (Ship Wright), 08171-W has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 63-Pres/2014--The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:--

(i) Deputy Inspector General Paramesh Sivamani (0244-D)

(ii) Commandant Arvind Sharma (0255-D)

(iii) Commandant Mukesh Kumar Sharma (0340-V)

2. The Tatrakshak Medal (Meritorious Service) award is made under 11(ii) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY, DAIRYING AND FISHERIES)

New Delhi, the 25th April 2014

RESOLUTION

No. 11-2/2002-Admn.IV—In continuation of this Ministry's Resolution No. 11-2/2002-Admn. IV dated the 6th September, 2013, the Government of India hereby nominates Shri B. Chandrashekhar, Director, M.P. State Cooperative Dairy Federation as Member of the Management Committee of Delhi Milk Scheme vice Smt. Sudha Chaudhary with immediate effect.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the State Government/Union Territories, all Ministries/Departments of the Government of India, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, the President's Secretariat, the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the CCA Department of Agriculture & Cooperation, the Principal Director of Audit, the Director General of Health Services, Mayor, Delhi Municipal Corporation, the Chairman, New Delhi Municipal Committee.

Ordred also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RAJNI SEKHRI SIBAL
Jt. Secy.

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2014

PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2014

www.dop.nic.in

DOPGIPF—[PART I–SEC.1]—90 Copies